रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वर्ष 11 | अंक 22 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य - 2 रू.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर प्रति मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 से 19 अक्टूबर 2026 तक

मेघालय बॉर्डर से

देश में घुसे 18 बांग्लादेशी

● ट्रेन में सवार होने का मिला इनपुट,जांच हुई शुरू ● बिहार और यूपी समेत कई राज्यों में अलर्ट जारी

शिलांग (एजेंसी)। उत्तर पूर्व का राज्य मेघालय सामरिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश की सीमा मेघालय से मिलती है। मेघालय के डाउकी बॉर्डर के बाद बांग्लादेश का सिलहट जिला शुरू हो जाता है। खुफिया इनपुट मिली है कि मेघालय सीमा पार कर 18 संदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठिये भारत में घुसे और अब अन्य राज्यों में फैलने की कोशिश कर रहे हैं। खुफिया इनपुट है कि ये घुसपैठिये मेघालय में प्रवेश कर नजदीक के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर वहां से लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ कर अलग-अलग राज्यों में जाने की कोशिश की।



इस इनपुट के बाद पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर ने बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालयों को थ्रेट एडवाइजरी जारी की है। घुसपैठियों में से 10 डाउकी बॉर्डर से घुसे हैं।

● **मेघालय के लाइटलूम से दिखाई देता है बांग्लादेश-** लाइटलूम एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है। अगर मौसम साफ हो तो यहां के व्यू प्वाइंट से दक्षिण पश्चिम दिशा में देखने पर बांग्लादेश दिखाई पड़ता है। बांग्लादेश का यह हिस्सा उसके सिलहट रिजन में आता है।

● **प्राकृतिक सौंदर्य से भरा लाइटलूम-** शिलांग से करीब 25 किलोमीटर दूर एक बहुत ही मनोरम स्थान है, लाइटलूम कैन्यन। लाइटलूम कैन्यन मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में आता है। पूर्वी खासी हिल्स जिले का मुख्यालय शिलांग ही है जो राज्य की राजधानी भी है। लाइटलूम- खासी भाषा के दो शब्दों से बना है, लाइट और लूम। लाइट का मतलब के अंत और लूम का मतलब है पहाड़ी।

गुवाहाटी से अमरनाथ एक्सप्रेस पकड़ने की सूचना

खुफिया इनपुट है कि ये घुसपैठिये मेघालय में प्रवेश कर नजदीक के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर वहां से लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ कर अलग-अलग राज्यों में जाने की कोशिश की। इस इनपुट के बाद पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर ने बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालयों को थ्रेट एडवाइजरी जारी की है। इनपुट के मुताबिक इन 18 बांग्लादेशी घुसपैठियों में से 10 डाउकी बॉर्डर से और 8 मौसिनराम (मेघालय) सीमा से मेघालय पहुंचे थे। सूचना के मुताबिक मेघालय के मौसिनराम सीमा से भारत में घुसे 8 बांग्लादेशी घुसपैठिये गुवाहाटी पहुंचे और वहां से जम्मूतवी-अमरनाथ एक्सप्रेस में सवार हो गए। इनके खिलाफ जांच अभियान चलने के लिए अलर्ट जारी कर दिया गया है।

48 घंटे में लौटा दो कटा सिर,नागा सिविल सोसायटी का अल्टीमेटम

● मणिपुर में हिंसा का नया दौर, तीन दिनों से तीन जिलों में भारी बवाल, नौ लोगों की हत्या



इम्फाल (एजेंसी)। कुकी बहुल इलाके में एक महिला की हत्या के बाद मणिपुर में हिंसा का एक नया दौर शुरू हो गया। कांगपोकपी समेत कई जिलों में नागा और कुकी के हथियारबंद गुटों के बीच संघर्ष जारी है। रविवार रात मणिपुर के ट्राइब्स काउंसिल और नागा सिविल सोसाइटी संगठन ने 52 साल के अजिनबो आर का कटा सिर वापस लाने की मांग करते हुए सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। शनिवार को उग्रवादियों ने कांगपोकपी जिले के माकुई अशांग गांव में रहने वाले अजिनबो आर की हत्या कर दी थी और उसका सिर काटकर ले गए। इस साल फरवरी से कुकी और नागा जनजातियों के बीच हुई हिंसा में 50 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

महाराष्ट्र पीएसी पेपर लीक की जांच के लिए बनी कमेटी

● तुकाराम मुंढे सेक्रेटरी नियुक्त, चेयरमैन छुट्टी पर भेजे गए



पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य लोक सेवा आयोग में सुधार के लिए रविवार को एक कमेटी बनाई। इसमें फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कमिश्नर तुकाराम मुंढे को सदस्य सचिव बनाया गया है।

इसके बाद कैंडीडेट्स ने 10 दिन से चल रहा प्रदर्शन खत्म कर दिया। राज्य के मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले ने पुणे में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को कमेटी बनाने की जानकारी दी। कमेटी के अध्यक्ष पूर्व जज दिलीप भोसले होंगे। इसमें आईपीएस अधिकारी लक्ष्मी गौतम शामिल हैं।

पीएसी के अध्यक्ष जांच पूरी होने तक छुट्टी पर गए

मंत्री ने प्रदर्शनकारियों की अन्य मांगें भी पूरी करने का भरोसा दिया। इनमें आंदोलन से जुड़े कुछ लोगों पर दर्ज केस वापस लेना, तीन साल में 70 हजार पदों पर भर्ती करना, जनवरी में होने वाली ग्रुप-सी परीक्षा में सीटें बढ़ाना और पीएससी के अध्यक्ष व सचिव की नियुक्ति से पहले उनके बैकग्राउंड की जांच करना शामिल है। इसके बाद भीमनवार ने छुट्टी पर जाने का ऐलान किया।

बिहार के सबसे बड़े अस्पताल में सुविधाओं का विस्तार

सीएम सम्राट बोले- अब 2500 बेड पर मरीजों का इलाज

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के पुनर्विकास योजना के पहले चरण के तहत नवनिर्मित टावर-3 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएमसीएच में अब एक साथ 2 ,500 बेड पर मरीजों का आधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ इलाज होगा। सरकार का उद्देश्य अस्पताल को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त आधुनिक चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित करना है। मुख्यमंत्री ने उद्घाटन के बाद नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, मरीजों के पंजीकरण, उपचार व्यवस्था तथा निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ सभी सुविधाओं का समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए।



कियोस्क और काउंटर की व्यवस्था का जायजा- निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने टावर-3 के भूतल पर ओपीडी मरीजों के पंजीकरण के लिए बनाए गए कियोस्क और काउंटर की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अल्पाहार गृह सहित मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर-22 का भी निरीक्षण

उन्होंने छठे तल पर स्थित मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर-22 का भी निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न शल्य चिकित्सा कक्षों और स्त्री रोग से संबंधित ऑपरेशन थिएटर में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने प्रथम तल पर स्थित रेडियोलॉजी विभाग का जायजा लेते हुए चिकित्सा सेवाओं को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। सम्राट चौधरी ने अधिकारियों से कहा कि अस्पताल के विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए ताकि मरीजों के उपचार में किसी तरह की बाधा नहीं आए। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, सुविधाओं के रखरखाव और मरीजों एवं उनके परिजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। साथ ही, पुनर्विकास योजना की बात की।



सीएम डॉ. मोहन ने पीएम मोदी के कार्यकाल को किया याद

वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की विशेष बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई।

सुशासन, विकास एवं राष्ट्र-कल्याण को समर्पित देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के गौरवशाली, ऐतिहासिक एवं असाधारण 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश की साढ़े आठ



करोड़ से अधिक जनता की ओर से मंत्रि-परिषद ने कृतज्ञतापूर्वक अभिनन्दन करते हुए संकल्प पारित किया। मंत्रि-परिषद ने वर्ष 2047 तक 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित मध्यप्रदेश' के निर्माण के महायज्ञ में, प्रधानमंत्री मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में कंधे से कंधा और कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का संकल्प सर्वसम्मति से पारित किया। सकारात्मक बदलाव आया है, वह अविस्मरणीय- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की विशेष बैठक में पारित संकल्प के बारे में मीडिया को जानकारी दी।

बरेठा चौकी परिसर में पुलिस अधिकारियों और स्कूली बच्चों ने किया पौधारोपण

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, पौधों की देखभाल का दिलाया संकल्प

मालनपुर।

ग्वालियर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देशन में सोमवार को थाना महाराजपुरा की बरेठा चौकी परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसमें पुलिस अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों और शिवाजी पब्लिक स्कूल एवं बचपन इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व) डॉ. शिवेश सिंह बघेल उपस्थित रहे। उनके साथ नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा नागेंद्र सिंह सिकरवार, रक्षित निरीक्षक रणजीत सिंह सिकरवार, थाना प्रभारी महाराजपुरा निरीक्षक यशवंत गोयल और बरेठा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रोहित सिंह भदौरिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बच्चों को समझाया पेड़ों का महत्व

कार्यक्रम में दोनों स्कूलों के विद्यार्थियों ने पुलिस अधिकारियों के साथ पौधे लगाए। अधिकारियों ने बच्चों को पेड़ों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता के बारे में बताया। साथ ही पौधों की नियमित देखभाल करने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।



अतिथियों का किया सम्मान शिवाजी पब्लिक स्कूल एवं बचपन

इंटरनेशनल स्कूल के संचालक दिनेश सिंह परिहार उर्फ बंटू ने अतिथियों का स्वागत कर उन्हें शॉल, श्रीफल और भगवान श्रीराम की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर

चौकी क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक, पत्रकार, एमपीआरडीसी के अधिकारी, बरेठा टोल की ओर से अमित सिंह राठौर, ओमवीर सिंह भदौरिया और टोल प्लाजा के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस, शिक्षण संस्थानों और आमजन ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी का संदेश दिया।

मध्य देसी अग्रवाल समाज के निर्विरोध अध्यक्ष बने चंद्रप्रकाश बंसल 'चंदू भैया', समाज बंधुओं में खुशी की लहर

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी मध्य देसी अग्रवाल समाज के संगठन को एक नई मजबूती और ऊर्जा देते हुए, चुनावों की प्रक्रिया में एक बार फिर सर्वसम्मति की मिसाल देखने को मिली है।

समाज के प्रतिष्ठित और मिलनसार व्यक्तित्व श्री चंद्रप्रकाश बंसल (चंदू भैया) को सर्वसम्मति से मध्य देसी अग्रवाल समाज का नया अध्यक्ष निर्विरोध चुन लिया गया है। उनके निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा होते ही समाज के दूर-दूर तक फैले सदस्यों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों में हर्षोल्लास का माहौल है।

सर्वसम्मति से बनी सहमति

समाज की हालिया बैठक और संगठनात्मक चर्चा के दौरान विभिन्न पदों और नेतृत्व को लेकर मंथन हुआ। इस दौरान चंद्रप्रकाश बंसल 'चंदू भैया' के नाम पर सभी वरिष्ठ सदस्यों और पदाधिकारियों ने एकमत होकर मुहर लगाई। किसी अन्य नाम के सामने न आने और सभी के पूर्ण समर्थन के चलते उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया।

लोकप्रिय चेहराः चंदू भैया अपनी सामाजिक सक्रियता, मिलनसार स्वभाव और हर वर्ग के सुख-दुःख में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए जाने



जाते हैं।

युवाओं और बुजुर्गों में समन्वयः उनके नेतृत्व से समाज के युवाओं को आगे लाने और बुजुर्गों के मार्गदर्शन को सहेजने में मदद मिलने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है।

नई उम्मीदें और प्राथमिकताएं

अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद श्री चंद्रप्रकाश बंसल ने समाज के सभी वरिष्ठों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज ने उन्हें जो यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, वे उस पर पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए कहाः

समाज के सभी परिवारों को एकजुट करना और आपसी भाईचारे को और अधिक मजबूत करना। जरूरतमंद और गरीब परिवारों की सहायता के लिए विशेष कल्याणकारी योजनाओं को गति देना। युवाओं और महिलाओं को समाज के आयोजनों व रचनात्मक कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना।

शिवपुरी में महाराजा अग्रसेन जयंती पर निकला भव्य चल समारोह, उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

शिवपुरीः में महाराजा अग्रसेन जयंती के पावन अवसर पर अग्रवाल समाज द्वारा एक भव्य और आकर्षक चल समारोह (शोभायात्रा) का आयोजन किया गया। इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन में हजारों की संख्या में अग्रवाल समाज के श्रद्धालु और शहरवासी उत्साह के साथ शामिल हुए।



चल समारोह के मुख्य आकर्षण

महाराजा अग्रसेन जी का रथः शोभायात्रा में महाराजा अग्रसेन जी का भव्य रथ पूरे मार्ग में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा, जिसके दर्शन के लिए भक्तों की होड़ लगी रही।

मनमोहक झांकियां

समारोह में सजी विभिन्न झांकियों ने सबका मन मोह लिया, जिनमें प्रमुख थींःश्री कृष्ण और राधे रानी का स्वरूप। भगवान हनुमान जी द्वारा सीना चीरने की जीवंत झांकी।

महाराजा अग्रसेन द्वारा कुलदेवी महालक्ष्मी जी की आराधना करती हुई झांकी। भोलेनाथ और अघोरियों की मनोहारी झांकी। सांस्कृतिक उल्लासः ढोल-नगाड़ों और डीजे की गूंज पर युवा और श्रद्धालु जमकर थिरकते नजर आए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

चल समारोह का शहर के विभिन्न मार्गों पर पुष्पवर्षा और जलपान के साथ भव्य स्वागत किया गया। समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर इस आयोजन में अपनी सहभागिता निभाई।

पुलिस प्रशासन का सराहनीय सहयोग

इस विशाल आयोजन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में शिवपुरी पुलिस प्रशासन का बेहद सराहनीय सहयोग रहा। सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन के पुख्ता इंतजामों के चलते पूरा कार्यक्रम बिना किसी बाधा के हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन महासंघ की जिला स्तरीय बैठक, प्रबंधकारिणी समिति का गठन

छुरा। सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समिति महासंघ जिला गरियाबंद की जिला स्तरीय बैठक प्रेरक समिति गरियाबंद के संयुक्त तत्वावधान में जय मां गरजई धाम, धमना के प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक में गरियाबंद, मैनपुर और छुरा विकासखंड की सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समितियों के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक की शुरुआत मां गरजई धाम की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इस दौरान जिले में सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समितियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने, वन अधिकारों के संरक्षण और प्रबंधन कार्यों को बेहतर बनाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। प्रेरक समिति के प्रमुख आर.जी. सिन्हा ने वनाधिकार अधिनियम 2006, वनाधिकार नियम 2012 और पेसा कानून 1996 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि जिन गांवों को सामुदायिक वन अधिकार प्राप्त हुए हैं, वहां वन संसाधनों का संरक्षण और उनका सुचारु प्रबंधन महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके लिए प्रबंधन समितियों की नियमित बैठकें आयोजित करने, समिति की नियमावली तैयार करने तथा आय-व्यय का लेखा-जोखा और रोकड़ पंजी का उचित संधारण करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समितियां अपने पारंपरिक जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के साथ-साथ बिगड़े वनों के सुधार के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से काम कर सकती हैं। इसके अंतर्गत पौधारोपण, नर्सरी तैयार करने और पारंपरिक बीजों से सीड बॉल बनाने जैसे कार्यों को कार्ययोजना में शामिल किया जा सकता है। बैठक का संचालन प्रेरक कार्यकर्ता रोहिदास यादव ने किया। उन्होंने



वन क्षेत्रों की पारंपरिक सीमाओं का सम्मान करते हुए पौधारोपण करने पर जोर दिया, ताकि भविष्य में वन भूमि को लेकर आपसी विवाद की स्थिति निर्मित न हो।

बैठक में बताया गया कि गरियाबंद जिले की सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समितियों को छह क्लस्टर में विभाजित किया गया है। इनमें जतमई, मिलकुआ, नवागढ़ी, बाजाघाटी, मलेवा और गरजई क्लस्टर शामिल हैं।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

इंदौर प्रति मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 से 19 अक्टूबर 2026 तक

इंदौर में ऑनलाइन सट्टेबाजी-कैसीनो नेटवर्क का खुलासा,एक आरोपी गिरफ्तार

चंदन नगर पुलिस की कार्रवाई, दो लाख रुपये के दो मोबाइल जब्त; दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। इंदौर के चंदन नगर थाना पुलिस ने ऑनलाइन फन गेम-कैसीनो से जुड़ी कथित सट्टेबाजी गतिविधियों के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक हाई-एंड फोल्डेबल स्मार्टफोन सहित कुल दो प्रीमियम मोबाइल फोन जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है। मामले में दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, 11 अक्टूबर 2026 को इस मामले में अपराध क्रमांक 1219/2026 के तहत सार्वजनिक जुआ अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू



की गई।

गिरफ्तार आरोपी से नेटवर्क को लेकर पूछताछ चंदन नगर पुलिस वेबसाइट, गेमिंग आईडी, क्रेडिट-पॉइंट्स, लॉगिन गतिविधियों और डिजिटल साक्ष्यों का तकनीकी विश्लेषण कर रही है। साथ ही, सट्टेबाजी नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, डीसीपी जोन-4 नरेंद्र रावत, एडीसीपी दीशेष अग्रवाल और एसीपी अन्नपूर्णा शिवेंदु जोशी के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक तिलक कारोले सहित चंदन नगर थाने की पुलिस टीम की भूमिका रही।

पुलिस की अपीलः ऑनलाइन सट्टेबाजी और कैसीनो के प्रलोभन से दूर रहें। आसान कमाई के लालच में अपनी मेहनत की कमाई जोखिम में न डालें और ऐसी अवैध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दें।

सिराली और खिरकिया क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ 4 प्रकरण दर्ज

वीरेंद्र चौहान रणजीत टाइम्स

हरदा। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री सुनील भोजने के नेतृत्व में आबकारी विभाग ने अवैध मदिरा के संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की। प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 अक्टूबर को सहायक जिला आबकारी अधिकारी ए.एस. बघेल के नेतृत्व में ग्राम रोलगांव, धूपकरण, दीपगांव, धनवाड़ा, चौकड़ी, वार्ड नंबर 05 खिरकिया व शुभम ढाबा खिरकिया में दबिश दी। दबिश के दौरान 22 पाव देशी मदिरा प्लेन, 12 पाव देशी मसाला एवं 1.5 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब* जप्त कर म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 के अन्तर्गत कुल 4 प्रकरण दर्ज किये गए।

कई वर्षों से बंद पड़ी आंगनवाड़ी बनी परेशानी का कारण, झाड़ियों के बीच जंगली जीवों का खतरा

सवादता -पुनीत सेन

खारकलां। जनपद पंचायत खालवा अंतर्गत ग्राम खार कलां के वार्ड क्रमांक 06 में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र लंबे समय से बंद पड़ा होने के कारण अब स्थानीय रहवासियों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। भवन के आसपास साफ-सफाई नहीं होने से बड़ी-बड़ी झाड़ियां और घास उग आई हैं। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि लंबे समय से बंद पड़े भवन की ओर ग्राम पंचायत एवं संबंधित विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। परिसर में झाड़ियां बढ़ने के कारण यहां सांप सहित अन्य जंगली जीवों के छिपे होने की आशंका बनी रहती है। आसपास रहने वाले लोगों को भी जंगली जीवों के घरों और गलियों में आने का डर बना रहता है।

वार्डवासियों का कहना है कि यदि



आंगनवाड़ी केंद्र का संचालन बंद है तो जिम्मेदार विभाग को इसकी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। लोगों की मांग है कि या तो आंगनवाड़ी केंद्र को पुनः शुरू किया जाए या फिर भवन एवं परिसर की उचित सफाई कराकर इसे सुरक्षित बनाया जाए। रहवासियों ने ग्राम पंचायत के सरपंच और संबंधित प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में कोई अप्रिय घटना हो सकती है।

एमटीएच अस्पताल में डॉक्टरों की कथित लापरवाही से मासूम जिंदगी भर के लिए अपाहिज, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग सख्त

इंदौर (विशेष संवाददाता): सरकारी अस्पतालों में प्रसव के दौरान होने वाली लापरवाही मासूमों की जिंदगी पर कितनी भारी पड़ सकती है, इसका एक दर्दनाक उदाहरण एमटीएच अस्पताल, इंदौर में सामने आया है। ग्राम गारी पिपलिया, माँगलिया के निवासी दिनेश मंगरोलिया और उनकी पत्नी पूजा मंगरोलिया की बेटी की जिंदगी जन्म के समय हुई चिकित्सीय लापरवाही के कारण हमेशा के लिए असहाय हो गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR), नई दिल्ली ने कड़ा रुख अपनाया है, जिसके बाद कलेक्टर कार्यालय इंदौर ने सीएमएचओ को जांच आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

'15 घंटे का दर्द और वैक्यूम का गलत प्रयोग'

पूजा मंगरोलिया द्वारा दिए गए जांच कथन के अनुसार, 19 मई 2025 को उन्हें एमटीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रसव पीड़ा होने पर डॉक्टर ने ऑपरेशन की आशंका जताई थी, लेकिन घंटों तक उन्हें बिना बताए दवाइयां और इंजेक्शन दिए गए। परिवार द्वारा बार-बार ऑपरेशन के निवेदन को स्टाफ ने नजरअंदाज कर दिया। आरोप है कि लगभग 14-15 घंटे के लेबर पेन के बाद गलत तरीके से वैक्यूम एक्सट्रैक्टर का प्रयोग किया



गया। वैक्यूम के दौरान बच्चा छूट गया और स्थिति बिगड़ने पर अचानक ऑपरेशन थिएटर में ले जाकर ऑपरेशन किया गया। डिलीवरी के वक्त नवजात रोई नहीं और उसे तुरंत एसएनसीयू में वेंटिलेटर पर रखना पड़ा।

ऑक्सीजन की कमी से दिमाग हमेशा के लिए डैमेज

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के कुछ महीने बाद जब बच्ची की शारीरिक गतिविधियों में कोई सुधार नहीं हुआ, तब चाचा नेहरू अस्पताल और प्राइवेट न्यूरोलॉजिस्ट को दिखाया गया। चिकित्सकों ने बताया कि डिलीवरी में हुई देरी और ऑक्सीजन की कमी के कारण मासूम के दिमाग को स्थायी क्षति (HIE Grade-2 और Encephalomalacia) हुई है। आज स्थिति यह है कि बच्ची न बैठ सकती है, न कोई चीज पकड़ सकती है और आजीवन दूसरों पर निर्भर रहेगी।

आयोग का बड़ा एक्शन, कलेक्टर कार्यालय से नोटिस

पिता दिनेश मंगरोलिया की शिकायत पर एनसीपीसीआर (दिल्ली) ने मामले का संज्ञान लिया (पत्र क्रमांकः MP-100634/2026-27)। इसके बाद कलेक्टर कार्यालय इंदौर (आदेश क्रमांक 966/अ.कौ.5/बाल संर. आयोग/26) द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) को पत्र भेजकर 7 दिनों के भीतर पूरी जांच रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया गया है।

पीड़ित परिवार की गुहार

बच्ची के पिता ने बताया कि उनका परिवार गरीबी रेखा के नीचे आता है। हर महीने फिजियोथेरेपी और महंगी दवाइयों का खर्च उठाना उनके लिए असंभव होता जा रहा है।

परिवार ने मांग की है कि: लापरवाह चिकित्सकों और स्टाफ पर सख्त कार्रवाई की जाए। मासूम बेटी के आजीवन इलाज की व्यवस्था शासन द्वारा की जाए। परिवार को हुए मानसिक, शारीरिक और आर्थिक नुकसान का समुचित मुआवजा दिया जाए। (मुख्य बिंदुः एमटीएच अस्पताल इंदौर, एनसीपीसीआर शिकायत, वैक्यूम एक्सट्रैक्टर का दुरुपयोग, एचआईई ग्रेड-2, एन्सेफैलोमलेशिया, कलेक्टर कार्यालय आदेश)

तृतीय नवरात्रि

मणिपुर चक्रः श्री लक्ष्मी-नारायण की शक्ति, समृद्धि और धर्म की स्थापना का केंद्र

नवरात्रि भारतीय सनातन संस्कृति में शक्ति की उपासना का विशेष पर्व है। यह पर्व केवल देवी के विभिन्न स्वरूपों की आराधना तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मिक उन्नति और आंतरिक शक्तियों को जागृत करने का भी अवसर प्रदान करता है। सनातन दर्शन के अनुसार, संपूर्ण ब्रह्मांड ब्रह्म शक्ति से निर्मित है और अंततः उसी में विलीन हो जाता है।

यही दिव्य शक्ति प्रत्येक मनुष्य में कुंडलिनी शक्ति के रूप में विद्यमान है। नवरात्रि के नौ दिन इस आंतरिक शक्ति की जागृति और आध्यात्मिक विकास की प्रेरणा देते हैं। नवरात्रि के तीसरे दिन मां दुर्गा के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की जाती है। इनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित है, जिसके कारण इन्हें चंद्रघंटा कहा जाता है। स्वर्ण के समान तेजस्वी आभा और सिंह की सवारी वाली मां चंद्रघंटा साहस, शांति और शक्ति की प्रतीक हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से इनकी आराधना मणिपुर चक्र से संबंधित मानी जाती है।

मणिपुर चक्रः समृद्धि के साथ धर्म का संतुलन

मणिपुर चक्र को नाभि चक्र भी कहा जाता है। सहजयोग की संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी के अनुसार, यह चक्र श्री लक्ष्मी-नारायण के तत्व से जुड़ा है, जो मनुष्य में धर्मपरायणता, संतुलन और आध्यात्मिक विकास को पोषित करता है। यह चक्र हमें सांसारिक जीवन में समृद्धि प्राप्त करने के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और सदाचरण का महत्व भी समझाता है। श्री माताजी ने लक्ष्मी तत्व की व्याख्या करते हुए कमल को उदारता, सौंदर्य और प्रेम का प्रतीक बताया है। जिस प्रकार कमल अपने भीतर छोटे से भंवरे को भी आश्रय देकर उसकी रक्षा करता है, उसी प्रकार धन और समृद्धि प्राप्त करने वाले व्यक्ति में भी उदारता, करुणा और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए। वास्तविक समृद्धि वही है, जो दूसरों के कल्याण और सुख में भी सहभागी बने।

नाभि चक्र के तीन प्रमुख भाग होते हैं

बायां, दायां और मध्य। ये क्रमशः गृह लक्ष्मी, राज लक्ष्मी अथवा गज लक्ष्मी और श्री लक्ष्मी के तत्वों से संबंधित हैं। इस चक्र का मध्य भाग महालक्ष्मी तत्व की आध्यात्मिक उन्नति से भी जुड़ा है। श्री विष्णु का तत्व मनुष्य के धर्म, नैतिक आचरण और आध्यात्मिक विकास का संरक्षण करता है।

सहजयोग ध्यान से लक्ष्मी तत्व की सहज जागृति

मणिपुर चक्र में महालक्ष्मी तत्व की जागृति के लिए कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना और सहजयोग ध्यान का अभ्यास एक सरल आध्यात्मिक मार्ग है। इस नवरात्रि मां चंद्रघंटा की आराधना के साथ स्वयं के भीतर शांति, संतुलन, उदारता और धर्मपरायणता विकसित करने का संकल्प लें। कुंडलिनी जागरण एवं आत्मसाक्षात्कार के अनुभव के लिए सहजयोग से जुड़ें। अधिक जानकारी हेतु sahajayoga.org.in पर जाएं या टोल फ्री नंबर 1800-270-0800 पर संपर्क करें। सहजयोग पूर्णतया निशुल्क है

सहज योग पूर्णतः निःशुल्क है

स्वयं को जानकर ही निर्भय जीवन जिया जा सकता है

मनुष्य के जीवन में भय, चिंता और नकारात्मकता का सबसे बड़ा कारण अक्सर बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि उसका अपना मन होता है। मन को नियंत्रित करना सबसे कठिन कार्यों में से एक है। यही मन कभी-कभी अच्छे से अच्छे व्यक्ति को भी गलत निर्णय लेने के लिए विवश कर देता है।

भय की स्थिति में उठाया गया कदम व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप से दूर कर देता है। सत्य यह है कि जहाँ ईश्वर के प्रति विश्वास कम होता है, वहीं भय अपना स्थान बना लेता है। अक्सर जब जीवन में अचानक कोई कठिनाई, असफलता या व्यथा आती है, तो मनुष्य ईश्वर की ओर दौड़ता है। लेकिन यह दौड़ प्रायः समस्या से मुक्ति पाने के लिए होती है, ईश्वर को पाने के लिए नहीं। यदि हमारी खोज वास्तव में ईश्वर को पाने की हो, तो जीवन के व्यवधानों का सामना करने की शक्ति स्वयं हमारे भीतर जागृत होने लगती है।



एक सच्चे भक्त को किसी से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। उसे विश्वास होना चाहिए कि ईश्वर का हाथ सदैव उसके साथ है। यही विश्वास जीवन में शांति और निर्भयता लाता है। लेकिन प्रश्न यह है कि मन को वश में कैसे किया जाए? इसका उत्तर सहज योग में मिलता है ईश्वर को केवल मानना नहीं, बल्कि उन्हें अपने भीतर धारण करना और उनकी उपस्थिति का अनुभव करना।

सहज योग आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप से परिचित कराता है। हमारे भीतर ही वह दिव्य शक्ति विद्यमान है, जिसे अनुभव करके हम स्वयं को आत्मा के रूप में पहचान सकते हैं। विभिन्न धर्मों में पूजे जाने वाले देवी-देवताओं के गुण भी हमारे भीतर विद्यमान हैं। आत्मसाक्षात्कार के बाद व्यक्ति अपने भीतर सकारात्मक परिवर्तन अनुभव करता है और धीरे-धीरे भय, असुरक्षा तथा नकारात्मकता से ऊपर उठने लगता है।

परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने 7 मार्च 1981 के अपने प्रवचन में कहा है, "आपको बस खुद को स्वीकार करना होगा, बस इतना ही। सहज योग उतना ही सरल है।"

उन्होंने आत्मसाक्षात्कार के बाद व्यक्ति के स्वयं अपना शिक्षक बनने की बात कही और स्मरण कराया कि हमें अपने प्रति दयालु होना चाहिए, क्योंकि हम स्वयं "आत्मा के मंदिर" हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम ईश्वर को केवल बाहर न खोजें, बल्कि अपने भीतर उनकी उपस्थिति को जानें और अनुभव करें। स्वयं को जानना ही आत्मसाक्षात्कार है और सहज योग इस अनुभव का सरल माध्यम है। सहजयोग के बारे में अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 270 0800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त करें।





कलाकार की कोई जात-पात नहीं होती

कलाकारा 'कलाकार' होता है-अण्णा महाराज

झांकियों की परम्परा के लिए मैं हमेशा हर संभव मदद के लिए तैयार हूँ - सत्यनारायण पटेल



परम्परा को जीवित रखने और कारवां को संचालित करने वाले हुए सम्मानित इंदौर। अपनी कला मैं हर कोई माहिर होता है। कलाकार की कलाकारी पूरा समाज और देश देखता है। श्री गणेश विसर्जन चल समारोह की परम्परा को जीवित रखने में जिन कलाकारों का सहयोग मिला उस परम्परा को शहर ही नहीं प्रदेश सहित देश-विदेश के लोगों ने भी उसा निहारा है। कलाकार की कला को सम्मानित करना हम सभी समाजबंधुओं का दायित्व है जो आप हम कर रहे हैं। ये उद्बोधन संतश्री अण्णाजी महाराज ने श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट एवं नेताजी सुभाष मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मान समारोह में व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजन की अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्यनारायण पटेल ने कहा कि 103 वर्षों से जारी इस परम्परा को जीवित रखने के लिए हर संभव मदद के लिए मैं और मेरा परिवार खड़ा है। जो भी संभव मदद होगी उसे में पूरा करूंगा। जानकारी देने हुए मंच के अध्यक्ष मदन परमालिया एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने बताया कि श्री गणेश विसर्जन चल समारोह के तहत झांकियों के कारवां को पूर्ण सुरक्षा और क्रमबध निकलवाने में विशेष सहयोगी रहे पुलिस आला अधिकारी एवं झांकी कलाकारों की सहभागिता को देखते हुए ट्रस्ट एवं मंच द्वारा अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर झांकी कलाकारों में विनय प्रवीण हरगाँवकर, राकेश वर्मा, श्रीमती स्वाती दिपक लवंगडे, अनवर अली, पप्पू बैरवा एवं सुभाष जरिया द्वितीय पुरस्कार - मालवा मिल (मछली जल की रानी) और प्रथम पुरस्कार - राजकुमार मिल (भगवान विष्णु और असुर मधु कैटभ युद्ध), हुकुमचंद मिल - (भगवान गणेश द्वारा सिंदुरासुर राक्षस का वध), तृतीय पुरस्कार - कल्याण मिल (भारतीय नारी की शक्ति, सामथ्र्य और योगदान) और स्वदेशी मिल- (माँ जगदम्बा द्वारा शुभ और निशुंभ नामक राक्षसों का वध) विशेष पुरस्कार - होप टेक्सटाइल मिल - (भगवान शिव की बारात) को शाल-श्रीफल,आदि सम्मान।

इस नवरात्रि-नशे से दूरी है जरूरी!

रणजीत टाइम्स एवं राजनीति 24 न्यूज़ चैनल की विशेष मुहिम

माँ की आराधना के पावन पंडालों में नशाखोरी नहीं चलेगी!



इंदौर। गणेश महोत्सव में चलाए गए जनजागरण अभियान के बाद अब दैनिक रणजीत टाइम्स ने नवरात्रि में भी 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान शुरू किया है। हमारी माताओं, बहनों और बेटियों की सुरक्षा एवं सम्मान हमारी पहली प्राथमिकता है। नशाखोरी की सूचना देने पर 1,000 का इनाम! नवरात्रि के दौरान किसी भी माता जी के पंडाल में नशे का सेवन करते हुए व्यक्ति की विश्वसनीय सूचना देने वाले को दैनिक रणजीत टाइम्स की ओर से 1,000 का पुरस्कार दिया जाएगा। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। अभियान को जनप्रतिनिधियों का समर्थन इस मुहिम में भारतीय जनता पार्टी की विधायक सुश्री उषा ठाकुर जी के समर्थन, उनकी अपील एवं अभियान की सराहना का उल्लेख किया गया है।

हमारी अपीलः सभी गरबा आयोजक, पंडाल समितियाँ, युवा साथी और नागरिक नशामुक्त एवं सुरक्षित नवरात्रि के संकल्प में सहभागी बनें।

नशे को ना कहें, माँ की भक्ति और नारी सम्मान को हाँ कहें!

राऊ में संस्था की जमीन पर अवैध कॉलोनी का आरोप

खुशबू श्रीवास्तव

शासकीय अधिकारी की सांठ गांठ से भूमाफियाओ के हौसले बुलंद

सर्वे नंबर 1051/7 में छोटे-छोटे भूखंडों की रजिस्ट्रियां और बटांकन की शिकायत, तहसीलदार से जांच की मांग राऊ। राऊ नगर पालिका क्षेत्र में बायपास से लगी भूमि पर कथित रूप से अवैध कॉलोनी विकसित किए जाने का मामला सामने आया है।

शिकायतकर्ता विक्की कायत पिता जगदीश कायत, निवासी नेहरू नगर राऊ ने तहसीलदार राऊ को आवेदन देकर मामले की जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार सर्वे नंबर 1051/7 की भूमि वर्ष 2022-23 के राजस्व रिकॉर्ड में गजानंद गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., इंदौर के नाम दर्ज बताई गई है। आरोप है कि वर्तमान में उक्त भूमि पर छोटे-छोटे भूखंड काटकर उनका विक्रय किया जा रहा है तथा कुछ भूखंडों की रजिस्ट्रियां भी कराई जा चुकी हैं। साथ ही भूमि के बटांकन को लेकर भी शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता ने आवेदन में मनीष विष्णु प्रसाद शर्मा निवासी महेश्वर एवं दरविंदर सिंह भाटिया निवासी विद्यानगर की भूमिका की जांच की मांग की है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि राजस्व अमले की मिलीभगत से भूमि के रिकॉर्ड एवं बटांकन संबंधी कार्यवाही में अनियमितताएं की गई हैं तथा रिश्वतखोरी की भी शिकायत सामने आई है।

शिकायतकर्ता विक्की पिता जगदीश कायत निवासी नेहरू नगर राऊ ने अनुविभागीय अधिकारी राऊ ओर तहसीलदार से मांग की है कि सर्वे नंबर 1051/7 के वर्ष 2022-23 से वर्तमान तक के राजस्व रिकॉर्ड की जांच, मौके का निरीक्षण एवं पंचनामा कराया जाए। साथ ही भूमि से संबंधित नामांतरण, बटांकन और रजिस्ट्रियों की जांच कर यह भी पता लगाया जाए कि कॉलोनी विकास एवं भूखंड विक्रय के लिए आवश्यक वैधानिक अनुमति ली गई थी या नहीं। शिकायतकर्ता ने अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई तथा जांच पूरी होने तक अवैध निर्माण एवं नए भूखंडों के विक्रय पर रोक लगाने की मांग की है। हालांकि लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि होना बाकी है। मामले में राजस्व विभाग की जांच और संबंधित पक्षों का पक्ष सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

किताबें लेने ससुराल पहुंची पत्नी से मारपीट, पति पर दूसरी महिला के साथ मिलकर पीटने का आरोप

चार माह से मायके में रह रही थी 26 वर्षीय महिला, पढ़ाई की किताबें लेने पहुंची थी पति के घर

राजेश धाकड़

इंदौर। तिलक नगर थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब चार माह से पति से अलग रह रही 26 वर्षीय महिला अपनी पढ़ाई की किताबें लेने ससुराल पहुंची। महिला का आरोप है कि पति आकाश वर्मा ने एक अन्य महिला के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। घटना में महिला को चोटें आने की बात सामने आई है। मारपीट के बाद उसे घर से बाहर निकालने का भी आरोप है। पीड़िता के मुताबिक, वह पिछले करीब चार माह से पति से अलग अपने माता-पिता के साथ रह रही है। उसकी पढ़ाई से संबंधित जरूरी किताबें पति के घर पर रखी थीं। 28 सितंबर को वह किताबें लेने ससुराल पहुंची थी। महिला का आरोप है कि उसके वहां पहुंचते ही पति ने विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि उसके साथ मारपीट शुरू कर दी गई।

दूसरी महिला पर भी मारपीट में शामिल होने का आरोप- पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया कि जिस समय उसके साथ मारपीट की जा रही थी, उस दौरान एक अन्य महिला भी पति के साथ मौजूद थी। महिला के अनुसार पति और उक्त महिला ने मिलकर उसके साथ मारपीट की, जिससे उसके शरीर पर चोटें आईं। इसके बाद उसे घर से बाहर निकाल दिया गया। शिकायत लेकर थाने पहुंची पीड़िता- घटना के बाद पीड़िता सीधे तिलक नगर थाने पहुंची और पति आकाश वर्मा सहित अन्य महिला के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पीड़िता का कहना है कि वह केवल अपनी पढ़ाई की किताबें लेने के लिए पति के घर गई थी, लेकिन वहां उसके साथ मारपीट कर दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा पीड़िता के बयान, चोटों से संबंधित दस्तावेज और घटनाक्रम से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।


आरोपी


फरियादी

ग्राम चांड़ा में आयोजित कैरियर गाइडेंस एवं युवा संगम रोजगार मेले में 19 आवेदकों का प्रारंभिक चयन

शिवम् प्रजापति



डिंडौरी। जिले के ग्राम पंचायत चांड़ा में जिला रोजगार कार्यालय डिंडौरी द्वारा कैरियर गाइडेंस एवं युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में कुल 111 प्रतिभागियों को कैरियर गाइडेंस संबंधी जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान युवाओं को रोजगार के अवसरों, करियर चयन तथा निजी क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। युवा संगम रोजगार मेले में 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मेले में शामिल निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा कुल 19 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया। रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा उन्हें करियर के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

बाल विवाह, बाल श्रम, मानव तस्करी एवं महिला हिंसा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शिवम् प्रजापति

मेहंदवानी। समेकित महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय एवं शासकीय कन्या उच्चतर विद्यालय मेहंदवानी में प्रदीपन संस्था के माध्यम से बाल विवाह, बाल श्रम, मानव तस्करी और महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं संबंधित विभागों के कर्मचारियों को सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करना तथा बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना था।

बाल विवाह और बाल श्रम जैसी कुरीतियों पर हुई चर्चा- कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह, बाल श्रम, मानव तस्करी तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ होने वाली हिंसा जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इन समस्याओं के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए कहा कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। कम उम्र में विवाह होने से बच्चों की शिक्षा बाधित होती है तथा उनके बेहतर भविष्य के अवसर भी प्रभावित होते हैं। इसी प्रकार बाल श्रम बच्चों के शिक्षा प्राप्त करने और सामान्य बचपन जीने के अधिकार में बाधा उत्पन्न करता है। मानव तस्करी जैसी गंभीर समस्या से बच्चों एवं महिलाओं को सुरक्षित रखने के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। साथ ही महिलाओं और बालिकाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को दिलाई गई बाल विवाह रोकने की शपथ कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा बाल विवाह के विरुद्ध शपथ ग्रहण रहा। इस दौरान विद्यालयों के समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं को बाल विवाह रोकने के प्रति जागरूक करते हुए शपथ दिलाई गई।

मेला ग्राउंड लटेरी में पांच दिवसीय श्रीरामलीला उत्सव का भव्य, संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन विदिशा के सहयोग से आयोजन

धर्मेन्द्र गुप्ता



विदिशा। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन विदिशा के सहयोग से विदिशा जिले के लटेरी स्थित मेला ग्राउंड में पांच दिवसीय श्रीरामलीला उत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव में श्रीरामकथा के विभिन्न प्रसंगों पर आधारित लीला प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और मर्यादा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रतिदिन आयोजित कार्यक्रम में पारंपरिक श्रीरामलीला मंचन के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं, लोक आस्था और रामकथा के आदर्शों को जनसामान्य तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। आम नागरिकों के लिए कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रखा गया था। श्रीरामलीला उत्सव का उद्देश्य भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन प्रसंगों के माध्यम से समाज में नैतिक मूल्यों, पारिवारिक दायित्वों, सामाजिक समरसता, त्याग, सेवा और कर्तव्यपालन की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। रामकथा के विविध प्रसंगों ने भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा और जनमानस में भगवान श्रीराम के प्रति गहरी आस्था को अभिव्यक्त किया।चित्रकूट के लीला गुरुकुल संस्थान ने की विशेष प्रस्तुति की परिकल्पना श्रीरामलीला उत्सव के अंतर्गत लीला गुरुकुल संस्थान, चित्रकूट द्वारा विशेष रूप से परिकल्पित प्रस्तुति दी गई। इसके आलेख का दायित्व रीवा के श्री योगेश त्रिपाठी ने संभाला, जबकि संगीत संयोजन पटना के श्री सीताराम सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का निर्देशन भोपाल के श्री रामचंद्र सिंह ने किया। प्रसिद्ध भक्ति गायक श्री अनूप जलोटा ने भी श्रीरामलीला में गायन प्रस्तुत कर आयोजन को भक्तिमय स्वरूप प्रदान किया। कलाकारों की प्रस्तुतियों, संगीत और मंचन के माध्यम से रामकथा के प्रमुख प्रसंगों को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत किया गया। उत्सव में भगवान श्रीराम के जन्म से लेकर उनके राज्याभिषेक तक की यात्रा को दर्शाया गया, जिसमें धर्म, सत्य, न्याय, त्याग और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश प्रमुख रहा।

पांच दिनों में रामकथा के प्रमुख प्रसंगों का मंचन -उत्सव के पहले दिन तीन अक्टूबर को शंकर विवाह, श्रीराम जन्म, ताड़का वध एवं अहल्या उद्धार के प्रसंगों की प्रस्तुति दी गई। इन प्रसंगों के माध्यम से भगवान श्रीराम के दिव्य स्वरूप, धर्म की स्थापना और पीड़ितों के उद्धार का संदेश प्रस्तुत किया गया। चार अक्टूबर को धनुष यज्ञ, श्रीराम विवाह, वनगमन एवं केवट प्रसंग का मंचन किया गया।

इन प्रस्तुतियों में भगवान श्रीराम के शौर्य, वैवाहिक आदर्शों, पिता के वचन की मर्यादा और भक्त के प्रति उनके स्नेह को दर्शाया गया। पांच अक्टूबर को दशरथ-देवलोक गमन, भरत मिलाप एवं सीता हरण के प्रसंग प्रस्तुत किए गए। इन प्रसंगों के माध्यम से पारिवारिक प्रेम, भ्रातृभाव, त्याग और विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने के संदेश को अभिव्यक्त किया गया। छः अक्टूबर को शबरी प्रसंग, श्रीराम-सुग्रीव मैत्री एवं लंका दहन की लीलाओं का मंचन हुआ। इन प्रस्तुतियों में भक्ति, मित्रता, सहयोग और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की भावना को प्रमुखता से दर्शाया गया। उत्सव के अंतिम दिन सात अक्टूबर को लंका युद्ध, रावण वध एवं श्रीराम राज्याभिषेक के प्रसंगों का मंचन किया गया। इन प्रसंगों के माध्यम से अधर्म पर धर्म की विजय, न्याय की स्थापना और आदर्श शासन व्यवस्था की अवधारणा को प्रस्तुत किया गया।

भारतीय संस्कृति और लोक आस्था को प्रोत्साहित करने की पहल - श्रीरामलीला उत्सव भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, मर्यादा, त्याग, सेवा, करुणा और कर्तव्यपालन की प्रेरणा देता है। पारंपरिक लीला मंचन के माध्यम से इन मूल्यों को जनसामान्य तक पहुंचाने के साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन का प्रयास किया गया।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत डिंडोरी जिले को राष्ट्रीय सम्मान

शिवम् प्रजापति



डिंडोरी। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएम-डीडीकेवाई) के अंतर्गत "फसल विविधीकरण एवं सतत कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने" की श्रेणी में उत्कृष्ट कार्य एवं नवाचारों के लिए डिंडोरी जिले को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित पूसा भवन में आयोजित समारोह में माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री द्वारा जिले को यह राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर डिंडोरी जिले की कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री अंजू पवन भदौरिया के साथ अमरपुर विकासखंड के ग्राम अलोनी की महिला कृषक एवं कृषि सखी श्रीमती कमला यादव भी मंच पर उपस्थित रहीं। उनकी सहभागिता कृषि क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भूमिका तथा जमीनी स्तर पर किए जा रहे कृषि नवाचारों के महत्व को रेखांकित करती है।

फसल विविधीकरण एवं सतत कृषि की दिशा में प्रयास

इस पहल का उद्देश्य किसानों को पारंपरिक खेती के साथ विभिन्न प्रकार की फसलों को अपनाने तथा ऐसी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है, जिनसे मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता का संरक्षण, जल संसाधनों का संवर्धन, कृषि लागत में कमी तथा किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। फसल विविधीकरण के अंतर्गत एक ही फसल पर निर्भरता कम करते हुए दलहन, तिलहन, मोटे अनाज, बागवानी फसलों तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल अन्य फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं सतत कृषि पद्धतियों के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जल संरक्षण, फसल चक्र, जैविक एवं प्राकृतिक खेती तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि तकनीकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

डिंडोरी की कृषि विशेषताओं को मिली राष्ट्रीय पहचान

आदिवासी बहुल एवं कृषि-प्रधान डिंडोरी जिले में स्थानीय जलवायु, मृदा एवं पारंपरिक कृषि ज्ञान के अनुरूप कोदो-कुटकी जैसे मोटे अनाज, दलहन एवं अन्य उपयुक्त फसलों को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसी कृषि पद्धतियाँ किसानों को फसल जोखिम कम करने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा आजीविका को अधिक टिकाऊ बनाने में सहायक हैं।

डिंडोरी जिले को प्राप्त यह राष्ट्रीय सम्मान कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों, किसानों की सक्रिय सहभागिता, कृषि सखियों की भूमिका तथा कृषि विभाग एवं जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण पहचान है। यह उपलब्धि जिले के किसानों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को सतत एवं नवाचार आधारित कृषि की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

गांधीनगर में नवरात्रि की तैयारियां शुरू, पंडाल की अनुमति लेने पहुंची सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। आगामी नवरात्रि पर्व को लेकर गांधीनगर क्षेत्र में तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्रीराम चौराहा स्थित सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारी नवरात्रि आयोजन के लिए पंडाल की अनुमति लेने पहुंचे।



समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना, आरती और गरबा का आयोजन भक्तिभाव के साथ किया जाएगा। समिति अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार बख्शी ने बताया कि नवरात्रि के दौरान आयोजित होने वाले गरबा कार्यक्रम में प्रतिवर्ष लगभग 300 से 400 कन्याएं भाग लेती हैं।

आयोजन में शामिल होने वाली कन्याओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस बार भी पंडाल में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, ताकि पूरे आयोजन पर निगरानी रखी जा सके और कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र के रहवासियों और आम लोगों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सीमित स्थान में पंडाल लगाया गया है और रास्ते में लगभग 10 फीट की जगह छोड़ी गई है।

समिति का प्रयास है कि नवरात्रि का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हो तथा स्थानीय रहवासियों को भी किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

खकनार पुलिस ने नांदुरा डैम के बैकवाटर से बरामद किए मृतक के शव के अवशेष

महेन्द्र मालवीय
रणजीत टाईम्स

बुरहानपुर। पुलिस प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, खकनार पुलिस टीम ने एक अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाते हुए हत्या के बाद छिपाए गए मृतक मालसिंह के शव के अवशेष बरामद कर लिए हैं। पुलिस से प्राप्त सूचना के मुताबिक, अधिकारियों के निर्देशन में चलाए गए गहन सर्च ऑपरेशन, फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वॉड और ड्रोन कैमरों की मदद से 7 अक्टूबर 2026 को नांदुरा डैम के बैकवाटर से यह अवशेष खोज निकाले गए। मामले में 4 आरोपियों, 2 विधि विरुद्ध बालकों और साक्ष्य छिपाने में मदद करने वाले 1 अन्य आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार घटना का विवरणः पुलिस की प्राथमिक जांच रिपोर्ट के अनुसार, घटना 6 सितंबर 2026 की है, जब मालसिंह अपनी मोटरसाइकिल (MP68MH5327) लेकर निकला और वापस नहीं लौटा। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर खकनार पुलिस ने शुरुआती दौर में अपहरण (धारा 140(3) बीएनएस) का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस विवेचना के दौरान आरोपियों से पूछताछ में सामने आई जानकारी के अनुसार, आरोपी जगन, प्रताप, लालसिंह और 2 विधि विरुद्ध बालकों ने मिलकर मालसिंह की हत्या की योजना बनाई। योजना के तहत मालसिंह को शाम 6 बजे खेत के पास बने एक छोटे तालाब पर बुलाया गया।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की कोरबा जिला इकाई के कटघोरा ब्लॉक में सामुदायिक भवन का मांग पत्र सोपा गया विधायक प्रेमचंद पटेल को



कोरबा। कटघोरा छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के कोरबा जिला इकाई कटघोरा के अखबार वितरण करने वाले पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा विधानसभा कटघोरा क्षेत्र क्रमांक 22 विधायक प्रेमचंद पटेल के निजी निवास पहुंच कर सभी कटघोरा कोरबा एवं बाकी मोंगरा के प्रतिनिधियों द्वारा विधायक प्रेमचंद पटेल का साल श्रीफ़ल एवं गुलदस्ता देकर स्वागत किया और अपनी समस्या से अवगत कराया गया और कटघोरा इकाई में सामुदायिक भवन का मांग किया जिसमें कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल द्वारा बताया गया कि रोज सुबह उठकर प्रतिदिन अखबार पहुंचाना साहनी कार्य है और हमारे द्वारा अखबार वितरकों के हितों के लिए हमेशा सहयोग करूंगा हर समस्या का समाधान करेंगे. और छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के पदाधिकारी द्वारा कटघोरा इकाई अध्यक्ष बबलू यादव (कन्हैया) का अच्छे कार्य को देखते हुए संघ द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया और उज्जवल भविष्य की कामना किया संघ द्वारा उपस्थित पदाधिकारी एवं सदस्यों जिसमें,प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह चंदेल,जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर ,जिला सचिव जय कुमार नेताम, हरदी बाजार इकाई अध्यक्ष महेंद्र राठौर, ,कटघोरा इकाई अध्यक्ष कन्हैया यादव (बबलू) ,विजय दास (केडी), विशेषर प्रसाद साहू,रौशन दास, गौरव गुप्ता ,मनमोहन यादव (मोना),विनय डिक्सेना ,प्रिंस,यादव,राज कुमार पटेल ,दुर्गा, शैलेन्द्र कुमार ,बॉबी गुप्ता,प्रदीप यादव ,अरविंद साहू शत्रुहन पटेल, उपस्थित थे।

प्रदेश के हर नागरिक तक उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वीरेंद्र चौहान रणजीत टाइम्स

हरदा- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ खड़ी है और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से जनविश्वास अभियान के माध्यम से सरकार घर-घर तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश निरंतर प्रगति कर रहा है। प्रदेश सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रत्येक वर्ग को राहत देने तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर योजनाएं संचालित कर रही है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हरदा जिले के प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय पहुंचकर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया तथा मरीजों से चर्चा कर उनके उपचार एवं अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए।



साथ ही क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मरीजों को पोषण सहायता के उद्देश्य से फूड बास्केट प्रदान की। बुजुर्ग महिला से ली स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, बच्चों के सर पर दुलार से हाथ फेर कर जाना हालचाल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अस्पताल में मौजूद मरीजों के परिजनों से चर्चा करते हुए उपचार की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उनका आत्मीय एवं संवेदनशील अंदाज भी देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने एक बुजुर्ग महिला से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बुजुर्ग महिला से आत्मीय चर्चा करते हुऐ कुशलक्षेम पूछा, बुजुर्ग महिला ने बताया कि इलाज बहुत अच्छा मिल रहा है और अब पहले से आराम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बच्चों से दुलार करते भी नजर आए। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उपस्थित बच्चों के सर पर दुलार से हाथ फेरते हुए उनका भी हाल-चाल पूछा।

अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री द्वारा स्कूली बच्चों को वितरित किए गए

निःशुल्क चश्मे- सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बच्चों के बीच पहुंचे जहां उन्होंने बच्चों को निशुल्क चश्मे वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव द्वारा शासकीय कन्या शाला की कक्षा 12वी की छात्रा कु. शिवानी, कु. छाया एवं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय की छात्रा कु. मुस्कान को निशुल्क चश्मा वितरित किया। हरदा में जिला अन्धत्व निवारण कार्यक्रम के अन्तर्गत 135 स्कूलों में 20320 बच्चों की जांच की गई जिसमें 1156 बच्चों में दृष्टिदोष पाए जाने पर उन्हें निशुल्क चश्मे वितरित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत शुक्रवार को जिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों को निशुल्क चश्मे वितरित किए गए।

कांग्रेस ने लोकतंत्र के काले दिवस के विरोध में वोट बचाओ देश बचाओ पैदल मार्च एवं विरोध प्रदर्शन

सलीम हुसैन

झाबुआःदिल्ली में निर्वाचन आयोग से जवाब मांगने के लिए शांतिपूर्ण ढंग से जंतर-मंतर की ओर बढ़ रहे राहुल गांधी जी, श्रीमती प्रियंका गांधी जी एवं इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ किए गए लाठीचार्ज एवं दुर्व्यवहार के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी झाबुआ द्वारा लोकतंत्र के काले दिवस के विरोध



में "वोट बचाओ, देश बचाओ" पैदल मार्च एवं विरोध प्रदर्शन आयोजित किया क्षेत्रीय विधायक डॉ विक्रांत भूरिया एवं प्रदेश कांग्रेस महासचिव निर्मल मेहता के नेतृत्व में स्थानीय राजवाड़ा चौक पर कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेताओ के साथ बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज कर लोकतंत्र पर हमले के विरोध में काला दिवस मनाया व नारे बाजी करते हुए चुनाव

आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया तत्पश्चात पैदल मार्च कर राजवाड़ा से नगर पालिका कार्यालय परिसर पहुंचे जहां तीन दिनों से अपने वेतन की मांग को लेकर हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारीयो मिले। इस अवसर पर विधायक डॉक्टर विक्रांत भूरिया ने कहा की भाजपा सरकार की कायराना हरकत को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी पुलिस को आगे कर चुने हुए जनप्रतिनिधियों के साथ बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज करवाना यह भाजपा की ओछी मानसिकता को उजागर करता है कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रियंका गांधी ना कभी डरे हैं ना डरेंगे उनके साथ देश की जनता है कांग्रेस का प्रत्येक सिपाही उनके साथ है चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा एस आई आर रद्द व बुलेट पेपर से चुनाव की मांग के लिए विरोध प्रकट हमेशा करते रहेंगे।

त्योहारी सीजन से पहले खाद्य सुरक्षा प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

खुशबू श्रीवास्तव

अत्यधिक गंदगी में बन रहा था केक, आयुष बेकरी का खाद्य पंजीयन निलंबन के लिए भेजा

इंदौर । आगामी त्योहारी अवधि को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा शहर के खाद्य निर्माण एवं विक्रय प्रतिष्ठानों की लगातार जांच की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों की स्थिति देखी। जांच के दौरान आयुष बेकरी, छोटा बांगड़दा में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण के दौरान बेकरी के निर्माण परिसर में अत्यधिक गंदगी पाई गई। प्रतिष्ठान के बाहर कचरा डंप किया हुआ था और इसी के समीप केक का बेस तैयार किया जा रहा था। केक तैयार करने वाली प्रिपरेशन टेबल पर चींटियां और मक्खियां चलती हुई मिलीं इसके अलावा फ्रिज और फ्रीजर की सफाई व्यवस्था भी बेहद खराब पाई गई। जांच के दौरान एक्सपायर्ड चेरी का उपयोग किए जाने की बात भी सामने आई। खाद्य सुरक्षा टीम को



मौके पर खाद्य कर्मियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र और पेस्ट कंट्रोल प्रमाण-पत्र भी उपलब्ध नहीं मिले। टीम को यह जानकारी भी मिली कि बेकरी में तैयार किए जाने वाले केक को आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सेल्समैन के माध्यम से बेचा जाता है। गंभीर स्वच्छता संबंधी कमियों और लोक स्वास्थ्य को देखते हुए आयुष बेकरी का खाद्य पंजीयन निलंबित किए जाने के लिए प्रकरण पंजीयन प्राधिकारी को भेजा गया है।



दीपनीषा गृह उद्योग को सुधार सूचना पत्र

टीम ने दीपनीषा गृह उद्योग, सांवरिया नगर का भी निरीक्षण किया। यहां खाद्य निर्माण में लगे कर्मचारियों को साफ-सुथरे कपड़े पहनने के साथ हेड कैप और एप्रन का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण में प्रसंस्करण के लिए आरओ पानी का उपयोग नहीं होना, वाशिंग एरिया की पृथक व्यवस्था नहीं होना और पैकेजिंग संबंधी लेबल मौके पर उपलब्ध नहीं होना पाया गया। इन कमियों को लेकर प्रतिष्ठान को सुधार सूचना पत्र जारी किया गया। वहीं प्रभारी विक्रेता दीपक गुप्ता की मौजूदगी में राजगिरा लड्डू का नमूना लिया गया, जिसे जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है।

किशन चिप्स एंड फूड प्रोडक्ट में भी मिली कमियां

इसी तरह किशन चिप्स एंड फूड प्रोडक्ट, सांवेर रोड इंडस्ट्रियल एरिया, सेक्टर एफ का निरीक्षण किया गया। यहां खाद्य कर्मियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र और पेस्ट कंट्रोल से जुड़े दस्तावेज मौके पर उपलब्ध नहीं मिले। खाद्य सामग्री और अन्य मटेरियल के रखरखाव की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई गई।

खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिष्ठान को सुधार सूचना पत्र जारी किया गया। मौके पर श्री किशन कुमावत की मौजूदगी में चिप्स का खाद्य नमूना लिया गया, जिसे जांच के लिए भोपाल प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्योहारी सीजन के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों की निगरानी लगातार जारी रहेगी। स्वच्छता, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सफलता की कहानी

कुसुम योजना से सावित्री बाई के खेत में आसान हुई सिंचाई,3 एचपी मोटर पंप से मिली सिंचाई सुविधा, खेती को मिली नई ताकत

डिंडौरी। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। जिले के ग्राम लुटगांव निवासी श्रीमती सावित्री बाई को प्रधानमंत्री कुसुम योजना का लाभ मिलने से उनके खेत में सिंचाई की सुविधा बेहतर हुई है। योजना के तहत उनके खेत में 3 एचपी क्षमता का मोटर पंप उपलब्ध कराया गया है।

मोटर पंप की सुविधा मिलने से अब सावित्री बाई को खेत की सिंचाई में आसानी हो रही है। समय पर पानी उपलब्ध होने से फसलों की देखभाल और कृषि कार्य अधिक सुगमता से किया जा रहा है। इससे उनकी खेती में सुविधा बढ़ी है और कृषि कार्य के प्रति उनका भरोसा भी मजबूत हुआ है। श्रीमती सावित्री बाई बताती हैं कि



किसान के लिए फसल के समय पर सिंचाई की सुविधा बेहद महत्वपूर्ण है। कुसुम योजना के माध्यम से मोटर पंप मिलने से उनकी सिंचाई संबंधी परेशानी काफी हद तक दूर हुई है। उन्होंने योजना का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की ऐसी योजनाएं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और खेती को मजबूत करने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

निःशुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन

आज मेहदवानी स्वास्थ्य केंद्र में ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान नेत्र जांच हेतु विशेषज्ञ डॉक्टर एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ग्रामीणों की आंखों की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार उन्हें उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। शिविर में सेक्टर ग्रामों से आए ग्रामीणों की दृष्टि की जांच की गई। जिन लोगों को चश्मे की आवश्यकता पाई गई, उन्हें शासकीय अस्पताल द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को उनके नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ही नेत्र जांच एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना तथा जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराकर



उनकी दृष्टि संबंधी समस्याओं का समाधान करना रहा।

कार्यक्रम में नवांकुर प्रभारी कृष्णा साहू, पवन साहू एवं जितेंद्र परते सहित सभी नवांकुर प्रभारी उपस्थित रहे। साथ ही मेंटर दीपेंद्र साहू भी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, नेत्र जांच करने वाले चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने शिविर का लाभ लेते हुए इस पहल की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने डिंडौरी के तेंदूपत्ता संग्राहकों को वितरित किया बोनस

डिंडौरी। मंडला के खैरी स्थित नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज परिसर में 4 अक्टूबर को आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा डिंडौरी वनमंडल के तेंदूपत्ता संग्राहकों को तेंदूपत्ता सीजन वर्ष 2024 की प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) राशि का वितरण किया गया। वनमंडलाधिकारी डिंडौरी श्री अशोक कुमार सोलंकी के मार्गदर्शन में वनमंडल की 17 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों से जुड़े करीब 5 हजार संग्राहक कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में सहभागिता के लिए संग्राहकों के आवागमन एवं व्यवस्थाओं के लिए



वन विभाग द्वारा समुचित प्रबंध किए गए। कार्यक्रम समाप्ति के बाद सभी संग्राहकों को सुरक्षित उनके गृह ग्राम तक पहुंचाया गया। आयोजन की व्यवस्थाओं में उपवनमंडलाधिकारी, परिक्षेत्र अधिकारी, नोडल एवं पालक अधिकारी, समिति प्रबंधक सहित वन विभाग की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। सीजन वर्ष 2024 में डिंडौरी जिले की 17 समितियों के लिए कुल 5 करोड़ 3 लाख 12 हजार 298 रुपये की प्रोत्साहन पारिश्रमिक राशि स्वीकृत की गई है। जिले में औसतन 1,129 प्रति मानक बोरा की दर से बोनस दिया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित
संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)